मुझे अपनी शरण में ले लो माँ

मुझे, अपनी शरण में, "ले लो माँ ॥" ॥
"मुझे, चरण कमल में, ले लो माँ*" ॥
मुझे, अपनी शरण में, "ले लो माँ ॥" ॥

दर दर भटका मैं, "आया तेरे द्वारे ॥" ।
जिंदगी ये मेरी अब, "तेरे ही सहारे ॥" ॥
"तेरा दर, छोड़ के मैं, जाऊँ कहाँ*" ।
मुझे, अपनी शरण में,,,,,,,,,,,,,,,,F

द्वारे तेरे आस ले के, "जो भी है माँ आया ॥" ।
कभी तूने उसको माँ, "ख़ाली न लौटाया ॥" ॥
"महिमा यह तेरी, कैसे करूँ मैं बयाँ*" ।
मुझे, अपनी शरण में,,,,,,,,,,,,,,,,F

कुछ भी न चाहूँ, "अब चँचल भवानी ॥" ।
चरणों में रहने दो, "मुझे महाँराणी ॥" ॥
"स्वर्ग है वहीं, मेरी मईया है यहाँ*" ।
मुझे, अपनी शरण में,,,,,,,,,,,,,,,,F

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24382/title/mujhe-apni-sharan-me-le-lo-maa

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |